# इन्द्री में किसानों ने भाजपा के विरोध का दिखाया दम

## किसानों की ललकार से डरे भाजपाई, पुलिस के साये में बंद तालों के भीतर बैठे

**इन्द्री ( जेके शर्मा ):** इन्द्री में आज भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नेता को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ा। विधानसभा क्षेत्र इन्द्री के बजाज पैलेश में भारतीय जनता पार्टी द्वारा त्रिदेव कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष करण देव कंबोज पहुंचे। सम्मेलन में करनाल भाजपा जिला अध्यक्ष योगेन्द्र राणा और लाडवा के पूर्व विधायक पवन सैनी सहित कई नेताओं ने अपने विचार रखे।

बजाज पैलेस में भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मेलन को लेकर किसानों ने भारी हंगामा किया। काले झंडे दिखाए व जमकर हंगामा किया। किसानों के विरोध को देखते हुए हालात पर काबू पाने के लिए भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद था।

बीजेपी के इस कार्यक्रम को लेकर किसानो ने कल विरोध करने का एलान किया था। किसानो के विरोध को देखते हुए बीजेपी ने पहले तो समारोह स्थल को बदला और फिर भारी सुरक्षा के इंतजाम करने का प्रशासन से अनुरोध किया। प्रसासन सुबह से ही भारी पुलिस बल के साथ बजाज पैलेस के चारो तरफ बैरिकेट्स लगाकर खड़ा हो गया। लेकिन किसान आए और पुलिस के इंतजामों को धता बताते हुए आगे बढने लगे। किसान काले झंडे लहराते हुए नारेबाजी कर रहे थे और बैरिकेट्स तोड़ कर आगे बढ़ थे। इस दौरान पुलिस ने किसानो को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और किसानों के बीच धका मुकी हुई। आखिर किसान भाजपा के चल रहे कार्यक्रम स्थल के बहर जमा हो गए और नारेबाजी करने लगे। किसान गेट तोड़ कर आगे बढने का प्रयास कर रहे थे और बीजेपी सरकार मुर्दाबाद के नारे लगा लगाते रहे। उन्होंने पैलेस के गेट के आगे ही धरना लगाकर खूब उत्पात मचाया। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। बीजेपी के कार्यक्रम चलने तक किसान बाहर डटे रहे। पुलिस अधिकारियों ने किसान नेताओं से वार्ता कर एक गेट पर विरोध प्रदर्शन कर दूसरा गेट खाली करवा लिया। किसान एक गेट के बाहर डटे रहे। आखिरकार पुलिस ने दूसरे गेट से भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को पुलिस के वाहनों की सुरक्षा से सुरक्षित बाहर निकाला। भाजपा का यह कार्यक्रम पुलिस के पहरे में बंद ताले के अंदर चला। जैसे ही भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को बाहर निकाला जा रहा था तो इस दौरान एक गेट की तरफ खड़े किसान नेताओं ने लंबी दूरी तक किसानों के एकजुटता और भाजपा के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। किसान नेता व कार्यकर्ता भाजपाइयों के खिलाफ असभ्य शब्दों सें रोष जताते रहे। कईयों ने तो हाथों में झंडे लेकर भाजपाईयों को खूब गंदी गालियां दी। इस दौरान किसान जगत सिंह की अचानक तबीयत खराब हो गई और वह बेसुध होकर गिर पड़ा। उसे उपचार के लिए अस्पताल में ले जाया गया। उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार आया। इस दौरान एक जेब कतरे ने किसान के जेब से हजारों रुपए भी निकाल लिए। जेबकतरे को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

उधर त्रिदेव कार्यशाला में बोलते हुए विधायक रामकुमार कश्यप ने लोगों को बहकाते हुए कहा कि देश में जब से भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनी है, तब से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लोगों के हित को सर्वोपरि रखकर एवं देश को विश्व पटल पर चमकाने के लिए नित नई-नई योजनाए बनाकर देश के लोगों को सौगात के रूप में दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर से धारा-370, 35ए, मुस्लिम महिलाओं के हित में तीन तलाक खत्म करने जैसे ऐसे अनेक कठोर निर्णय लेकर एक सहासिक कदम उठाने का कार्य किया है लेकिन इससे देशवासियों को क्या लाभ हुआ ?

उन्होंने यह नहीं बताया कि कार्यशाला में बोलते हुए पूर्व राज्यमंत्री एवं पिछडा वर्ग के प्रदेशाध्यक्ष कर्णदेव काम्बोज ने थोड़ा झूठ बोलते हुए कहा कि देश की पूर्व सरकारों ने केवल देश व प्रदेश को पीछे ले जाने का कार्य किया है, लेकिन जब से देश व प्रदेश में भाजपा की सरकारें बनी हैं तब से लोगों के हित में नई-नई योजनाए बनाई गई है, इन सभी योजनाओं का लाभ समाज के अन्तिम छोर तक पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकारों में सभी वर्गों के लोगों के हित को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाती है।

## मजदूरी कम होने पर भड़के मजदूरों ने दी हड़ताल की चेतावनी

**करनाल।** अनाज मण्डियों में कार्यरत मजदूरों ने नई अनाज मंडी में महापंचायत कर सरकार की नीति के खिलाफ जमकर जहर उगला। मजदूर सरकार द्वारा घटाई गई 4 रुपए 20 पैसे मजदूरी को लेकर नाराज थे। महापंचायत में नारेबाजी कर मजदूरी बढ़ाने की मांग को लेकर शहर में प्रदर्शन करते हुए जिला सचिवालय पहुंचे। मजदूरों ने सरकार के नाम अधिकारी को मांग पत्र दिया। मजदूरों ने ऐलान किया कि यदि उनकी मजदूरी नहीं बढ़ाई जाती तो वे कल से मण्डियों में हड़ताल करेंगे। मजदूरों का कहना है कि मजदूरी कम होने से उनको खर्च निकलना मुश्किल हो गया है। आज महापंचायत में करनाल के अलावा घरौंडा, नीलोखेड़ी, तरावड़ी, निसिंग, निगदू, जुंडला, असंध समेत पूरे जिले की मंडियों से हजारों मजदूर पहुंचे। अनाज मण्डी में मजदूरों की संख्या देकर रैली का सा नजारा लग रहा था।

इस मौके पर मजदूर नेता जंगबहादुर यादव ने बताया कि मजदूर अपनी मजदूरी बढ़वाने आए हैं। उनकी मजदूरी में 4 रुपए 20 पैसे की कटौती की गई है। पिछली मजूदरी वापस की जाए और जो कटौती है, उसे भी वापस किया जाए। मजदूरों को पहले 12 रुपए 72 पैसे मजदूरी मिलती थी। अब 8 रुपए 52 पैसे देने की बात कही जा रही है, जो गरीब मजदूरों के साथ ज्यादती है।

मजदूर नेता रामकुमार महतो ने बताया कि सरकार ने आश्वासन दिया था कि मजदूरी बढ़ाई जाएगी लेकिन नहीं बढ़ाई गई। इस बारे में मार्केट कमेटी के अधिकारी मजदूरों को गुमराह कर रहे हैं। अधिकारी तो मजदूरों की मजदूरी सिर्फ 8 रुपए 56 पैसे बता रहे हैं। उनकी मजदूरी कांग्रेस सरकार में एक बार बढ़ी थी। लेकिन दोबारा से मजदूरी कम हो गई थी। इस बार रेट और कम हुआ है। उन्होंने मांग रखी है कि उनकी मजदूरी बढ़ाई जाए वरना मजदूरों को विवश होकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाना पड़ेगा। यदि सरकार को मजदूरी नहीं बढ़ाती तो कम से कम घटाई तो न जाए। वे बिहार से दो बार आते हैं और दो बार जाते हैं। एक साइड में उनके 1500 रुपए खर्च होते हैं। वर्ष में तीन से चार महीने ही काम होता है। उनका खर्च पूरा नहीं हो पाता। ऐसे में सरकार मजदूरों के बारे में सोचना चाहिए। सत्तासीनों को गरीबों के हकों में काम करने चाहिए, खाली बातें नहीं।

## धान खरीद व अन्य सुविधाओं के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

करनाल। खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एसीएस अनुराग रस्तोगी ने कहा कि प्रदेश में सरकार के सभी लाभ परिवार पहचान पत्र के द्वारा दिए जाएंगे। हाल ही में समाज कल्याण विभाग द्वारा जारी की जाने वाली सभी पेंशन और डिपो पर वितरित किए जाने वाला राशन अब परिवार पहचान पत्र के माध्यम से दिया जाएगा। उन्होंने सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिए कि अभी तक जिनके परिवार पहचान पत्र नहीं बने हैं, ऐसे लोगों को परिवार पहचान पत्र बनवाने के लिए प्रेरित करें। आने वाले 15 दिनों में अपने-अपने जिलों के परिवार पहचान पत्र की वैरिफिकेशन की जाए ताकि लोगों को समय पर इस योजना का लाभ मिल सके।

एसीएस वीरवार को चंडीगढ़ मुख्यालय से वीसी के माध्यम से खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग के अधिकारियों से पीडीएस-पीपीपी के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल परिवार पहचान पत्र के माध्यम से सभी योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि डीबीटी के अंतर्गत फैमिली आईडी के साथ राशन कार्ड लिंक करवाए जा रहे हैं और जिनके खातों में अगर कोई समस्या है तो वह तुरंत प्रभाव से सीएससी में जाकर ठीक करवा लें।

उन्होंने कहा कि 1 अक्तूबर से धान की खरीद शुरू की जा रही है, इससे से सम्बन्धित सभी अधिकारी अपनी तैयारी पूरी रखें और बार-बार मंडियों का निरीक्षण करे ताकि धान की खरीद में किसी प्रकार की कोई समस्या ना आए। प्रदेश में करीब 97 लाख एवाई, बीपीएल, ओपीएच के राशनकार्ड है, जिनमें से करीब 20 लाख की मैपिंग हो चुकी है और 5 लाख कार्ड धारकों की वैरिफिकेशन आगामी 2 सप्ताह में करवा ली जाएगी। वीसी में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी उमा शंकर ने भी परिवार पहचान पत्र को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले जितने भी बीपीएल कार्ड उपभोक्ता हैं, उनका डिपो के माध्यम से बैंक खाता ऑनलाईन किया जाएगा ताकि योजनाओं के पैसे सुरक्षित रूप से उपभोक्ता के खाते में जा सकें। उन्होंने कहा कि यह कार्य आने वाले 15 दिनों में उपायुक्त अपने अधीनस्थ किसी भी विभाग के अधिकारी व कर्मचारी से करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में धान खरीद का कार्य 1 अक्तूबर से शुरू हो जाएगा। धान खरीद के कार्य में किसी प्रकार की दिक्कत न आए, संबंधित विभाग इसकी तैयारी कर लें।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने बताया कि करनाल जिले में 627 डिपो ऑनलाईन हैं और 75 ऑफलाईन हैं। जिले में 1 लाख 98 हजार 270 राशन कार्ड हैं जिनकी 8 लाख 75 हजार 115 यूनिट हैं, जिनमें एएवाई के 12437, ओपीएच के 1 लाख 25 हजार 442 और सीबीपीएल 30433, एसबीपीएल 29958 राशन कार्ड हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 23091 राशन कार्डों की वैरिफिकेशन होनी है जिनमें से अब तक 5358 की वैरिफिकेशन हो चुकी है। उपायुक्त ने बताया कि आने वाले 15 दिनों में यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा।